मध्यप्रदेश विधान सभा सचिवालय
Madhya Pradesh Legislative Assembly Secretariat
Indira Gandhi Vidhan Bhawan,
Arera Hills,Bhopal(M.P.)

# स मा चा र

## विंध्य के समग्र विकास और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की दिशा में करेंगे प्रयास : श्री गौतम

### विधानसभा अध्यक्ष श्री गरीश गौतम ने की प्रेस से अनौपचारिक चर्चा

**भोपाल, 7 मार्च।** मध्यप्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम ने अपने रीवा जिले के प्रवास के दौरान रविवार को पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा की । श्री गौतम ने इस अवसर पर कहा कि उनका ध्येय विंध्य के समग्र विकास पर रहेगा। रीवा में केंसर उपचार का एक संस्थान स्थापित हो और यहां चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार हो इस दिशा में भी वे इस क्षेत्र के अन्य विधायकों के साथ मिलकर कार्य करेंगे।

श्री गौतम ने कहा कि विंध्य क्षेत्र में 2003 के बाद तेजी से विकास हुआ है। बाणसागर बांध की नहरों से गांव-गांव तक पानी पहुंचा है और इसका परिणाम किसानों की समृद्धि के रूप में नजर आया है। रीवा जिले में स्थापित एशिया का सबसे बड़ा अल्ट्रा सोलर मेगा पॉवर प्लांट भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। श्री गौतम ने कहा कि वे कभी रीवा को लज्जित नहीं होने देंगे। यहां का नाम पूरे मध्यप्रेदश में हो इसके लिए प्रयास करेंगे।

श्री गौतम ने कहा कि विंध्य में रोजगार के अवसर बढ़ें, आईटी की कंपनियां आएं और नए उद्योग स्थापित हों इस दिशा में काम किया जाना जरूरी है। यहां के किसान अत्याधुनिक तकनीकी का उपयोग खेती में करके ज्यादा लाभ अर्जित कर सके इसके लिए भी प्रयास किया जाएगा।

दूरभाष : जनसंपर्क शाखा: (+91-755) 2523065, 2523028, 2440221 फैक्स: (+91-755) 2440238
ई-मेल : vidhansabha-mp@nic.in वेबसाइट : http://www.mpvidhansabha.nic.in

मध्यप्रदेश विधान सभा सचिवालय
Madhya Pradesh Legislative Assembly Secretariat
Indira Gandhi Vidhan Bhawan,
Arera Hills,Bhopal(M.P.)

# स मा चा र

माननीय अध्यक्ष श्री गौतम ने बताया कि विधानसभा में पहली बार के विधायकों को अपने प्रश्न पूछने का अवसर प्राप्त हो इसके लिए उन्होंने एक नवाचार किया है। 15 मार्च को सिर्फ प्रथम बार के विधायकों के ही सवाल रहेंगे। इसके साथ ही यह भी तय किया गया है कि नए विधायक अपने प्रश्न के साथ अनुपूरक प्रश्न भी स्वयं ही पूछेंगे, वरिष्ठ विधायक उस दौरान सवाल नहीं पूछेंगे। श्री गौतम ने बताया कि इस व्यवस्था का पक्ष-विपक्ष दोनों ने स्वागत किया है।

श्री गौतम ने कहा कि सदन में हंगामे के स्थान पर सार्थक संवाद आवश्यक है। संवाद से ही महत्वपूर्ण निर्णय हो सकते हैं। विधानसभा में लिए गए निर्णयों का लाभ जन-जन तक पहुंचे और प्रदेश के अंतिम छोर के गांव तक विकास हो यही हमारा उद्देश्य है।

श्री गौतम ने कहा कि विंध्य प्रदेश के आंदोलन एवं उसकी मांग को वृहद रूप से देखने की जरूरत है। यह भी देखना होगा कि यहां के लोग पृथक प्रदेश के पक्ष में भी हैं या सिर्फ कुछ लोग इस विषय पर आंदोलन चलाकर अपना आस्तित्व बनाए रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि स्व. श्रीनिवास तिवारी के अध्यक्षीय कार्यकाल में यदि कोई संकल्प इस संदर्भ में पास किया गया था तो वह किस स्थिति में है, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

वि.स./ज.स./21

**(नरेन्द्र मिश्रा)**

अवर सचिव

दूरभाष : जनसंपर्क शाखा: (+91-755) 2523065, 2523028, 2440221 फैक्स: (+91-755) 2440238
ई-मेल : vidhansabha-mp@nic.in वेबसाइट : http://www.mpvidhansabha.nic.in